

भारत-वशिष्ट AI मॉडल के साथ गर्भावस्था देखभाल को आगे बढ़ाना

स्रोत: द द्रिष्टि

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास तथा ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद के शोधकर्ताओं ने गर्भिनी-GA2 नामक एक भारत-वशिष्ट कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित करने के लिये सहयोग किया है, जो दूसरे चरण एवं गर्भावस्था की तीसरी त्रिमाही में भ्रूण की **गर्भकालीन आयु (GA)** का सटीक निर्धारण करने के लिये तैयार किया गया है।

- गर्भ-इनी GA-2 **आनुवंशिक एल्गोरिदम पर आधारित** है। आनुवंशिक एल्गोरिदम विकास के साथ-साथ प्राकृतिक चयन सिद्धांतों से प्रेरित एक अनुकूलन तकनीक है।
 - नवजात शिशु की देखभाल में सहायता के अतिरिक्त, गर्भिनी-GA2 **महामारी विज्ञान के सटीक अनुमानों में भी योगदान** देता है।
 - यह भारतीय आबादी में **भ्रूण की उम्र का सटीक निर्धारण करने में त्रुटि की संभावना को लगभग तीन गुना कम** कर देता है।
- यह पहल **गर्भिनी-GA2 कार्यक्रम** का एक हिस्सा है, जो प्रसव-पूर्व देखभाल में सटीकता की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करता है।
 - गर्भिनी, भारत सरकार के **जैवप्रौद्योगिकी विभाग (DBT) का एक प्रमुख कार्यक्रम** है।
 - यह माताओं के साथ-साथ बच्चों दोनों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिये समर्पित है, साथ ही जन्म-पूर्व जोखिमों की पहचान हेतु पूर्वानुमान का एक उपकरण भी है।
- **लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथ-ईस्ट एशिया में प्रकाशित** यह शोध भारत में गर्भावस्था देखभाल में सुधार की दशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

और पढ़ें... [मेडिकल टर्मनिशन ऑफ प्रेगनेंसी \(MTP\) संशोधन अधिनियम, 2021](#)